फ्रेड नाम का एक भूत

नथानिएल बेंचली

चित्र: बेन शेक्टर

एक दिन जॉर्ज बारिश से बचने के लिए एक पुराने खाली घर में घुस गया. घर में अंधेरा था और उसमें से धूल और नमी की गंध आ रही थी. जॉर्ज को अपने पास कुछ महसूस हुआ और तभी उसे एक आवाज़ सुनाई दी. फिर उसने दो आँखें देखीं!

वो आवाज और आंखें फ्रेड नाम के एक दोस्ताना भूत की थीं. फिर खोए हुए खजाने की खोज में जॉर्ज ने घर का हर कोना छान मारा.

फ्रेड नाम का एक भूत

नथानिएल बेंचली

चित्र: बेन शेक्टर
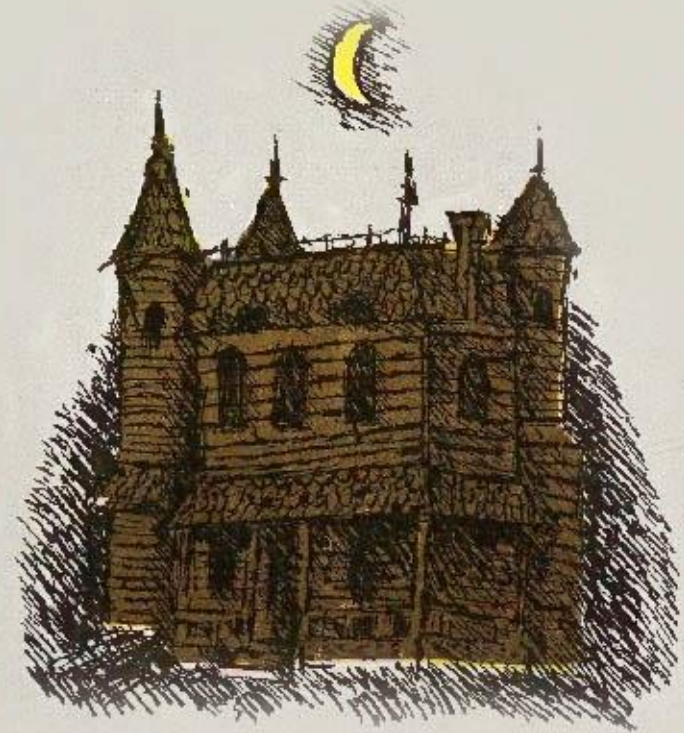
जॉर्ज अकेला था. उसके पास
खेलने के लिए कोई नहीं था.

जो लड़के उसके पास रहते थे वे या तो बहुत बड़े थे या फिर बहुत छोटे थे.

इसलिए, उसे अपने खुद के खेल बनाने पड़े.

किसी दिन वो समुद्री डाकू बन जाता था,
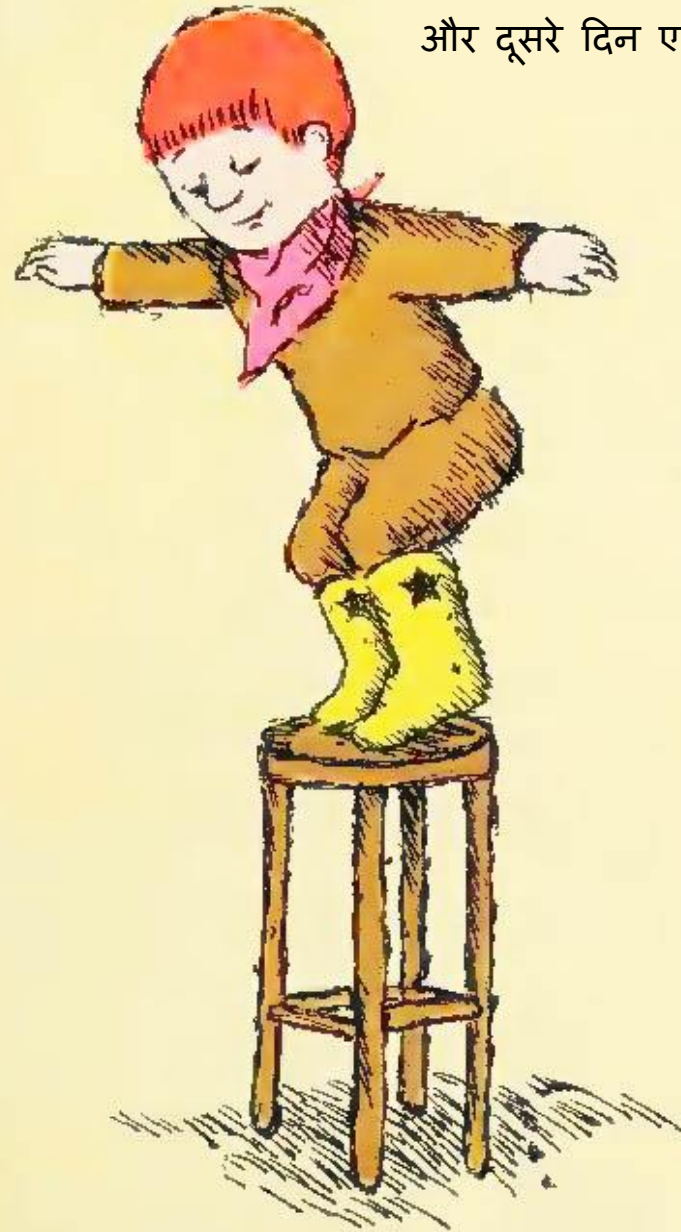
और दूसरे दिन एक पायलट.

टब में बैठकर वो एक पनडुब्बी
का कप्तान बन जाता था.
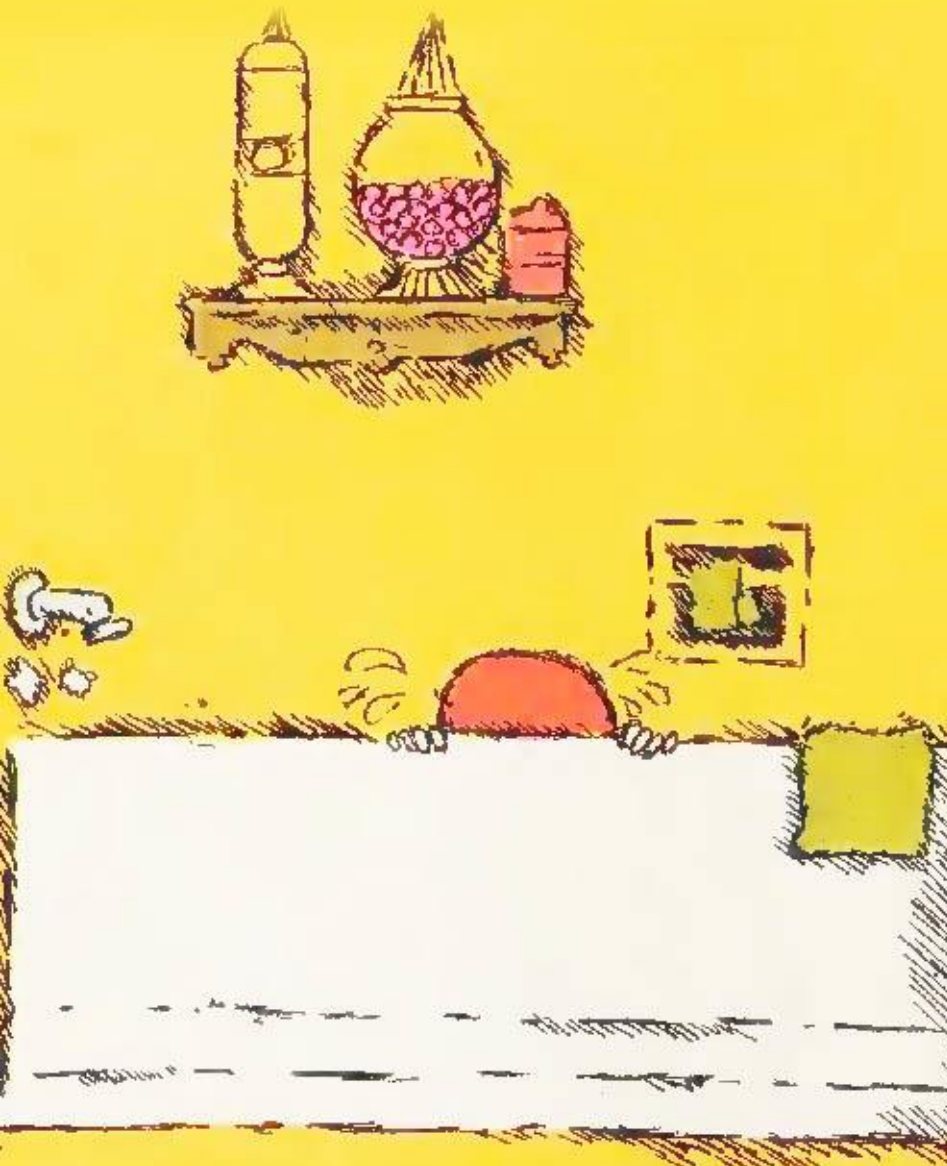
और बिस्तर पर वो एक गुफा
के अंदर का भालू बन जाता था.

एक दिन जॉर्ज ने नया खेल खेला.

अब वो एक अंतरिक्ष यात्री था,

और फिर वो अपने घर से बहुत दूर निकल गया.

अँधेरा होने लगा,
वो घर वापस कैसे जाए
यह उसे नहीं पता था.

फिर बारिश होने लगी.

जॉर्ज को अँधेरे में एक पुराना घर दिखाई दिया.

उसने कहा, "मुझे लगता है कि मेरे लिए उस घर में जाना ही बेहतर होगा."

"अगर मैंने वो नहीं किया तो मेरे कपड़े गीले हो जाएंगे और मुझे ठंड लग जाएगी."
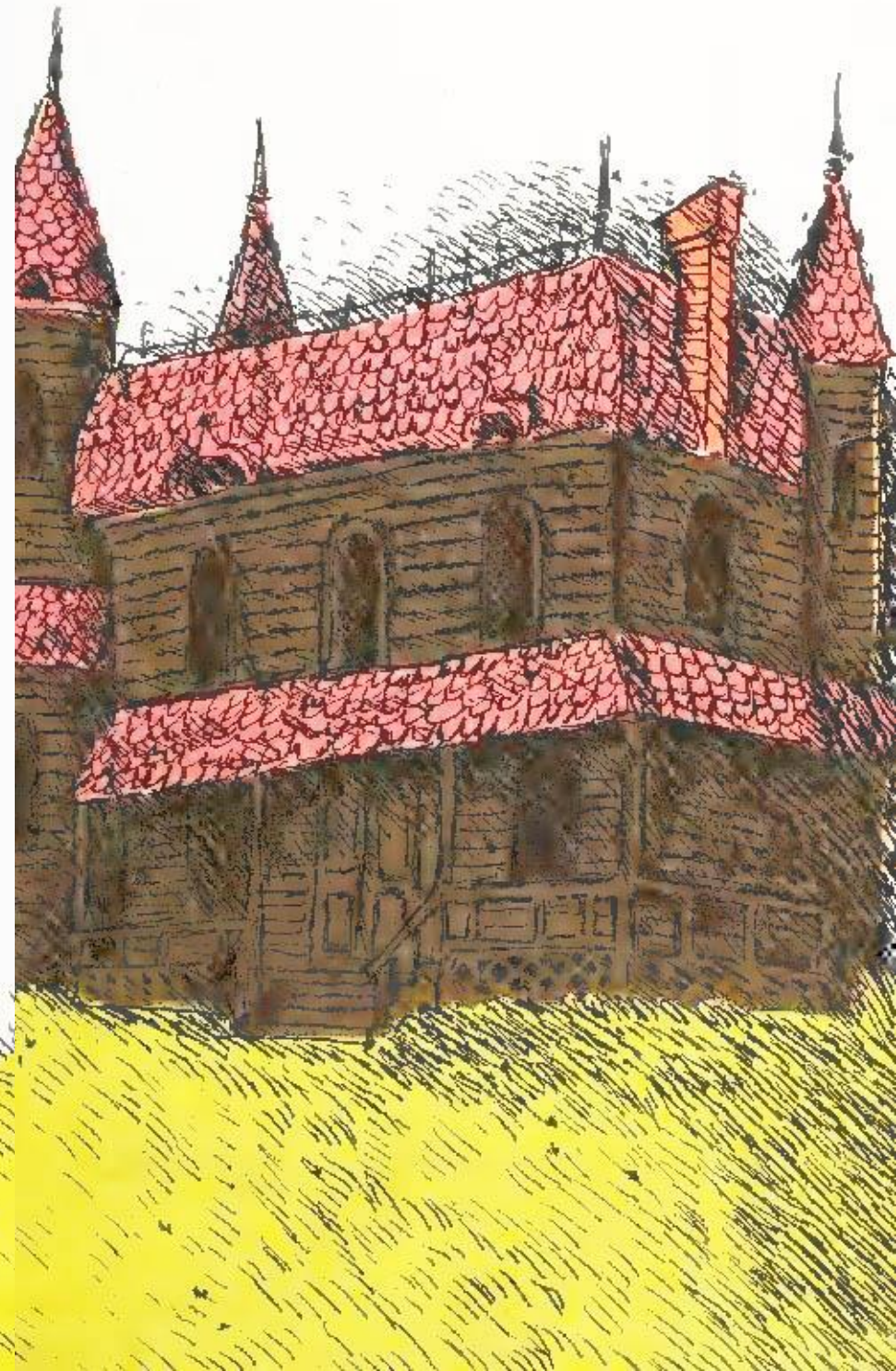
फिर वो उस घर में गया और उसने दरवाजा खटखटाया,

लेकिन कोई जवाब नहीं आया.

बाहर बस बारिश की आवाज़ थी

और गड़गड़ाहट हो रही थी.

दरवाज़ा खुला हुआ था.

जॉर्ज ने उसे धक्का दिया और अंदर देखा.

अंदर अँधेरा था, और सूखा भी था.

"मैं बस एक मिनट के लिए अंदर जाऊंगा,

और बारिश बंद होने के बाद यहाँ से चला
जाऊंगा, जॉर्ज ने कहा.

घर ठंडा था

और अंदर से धूल और नमी की गंध आ रही थी.

जॉर्ज को कुछ ऐसा महसूस हुआ

जैसे उसके पास कोई खड़ा हो,

लेकिन जॉर्ज उसे देख नहीं पाया.

वो जो कोई भी रहा हो,

जॉर्ज को वो पसंद नहीं आया.

फिर जॉर्ज दूसरे कमरे में गया,

लेकिन फिर भी उसे वही बात महसूस हुई

पर जब वो आदमी नजदीक आया

तो जॉर्ज को उसकी त्वचा ठंडी महसूस हुई,

और उसके बाल जॉर्ज को चुभने लगे.

"देखो, मैं ऊपर जाऊंगा," जॉर्ज ने कहा.

"यहां पर ज़रूर कुछ गड़बड़ है."

फिर जॉर्ज ऊपर गया,

पर जैसे ही वो

सीढ़ियों के ऊपर पहुंचा

उसने अपने पीछे एक आवाज़ सुनी!

उस आवाज़ ने कहा: "क्या तुम मुझे
बताओगे कि तुम्हारे सिर पर क्या चीज़ है?"

"तुम कौन हो?" जॉर्ज ने कहा,

"तुम कहां पर हो?"
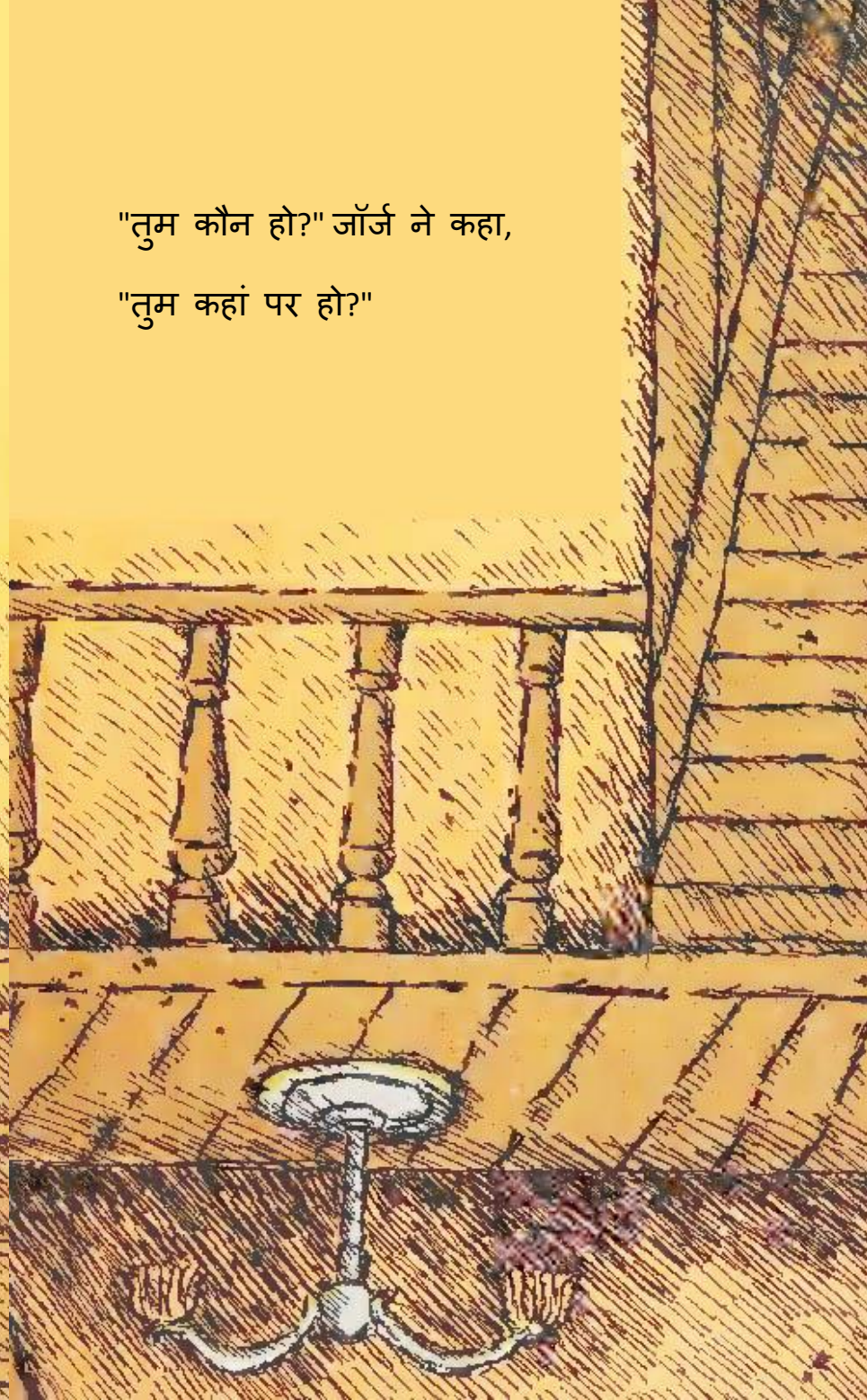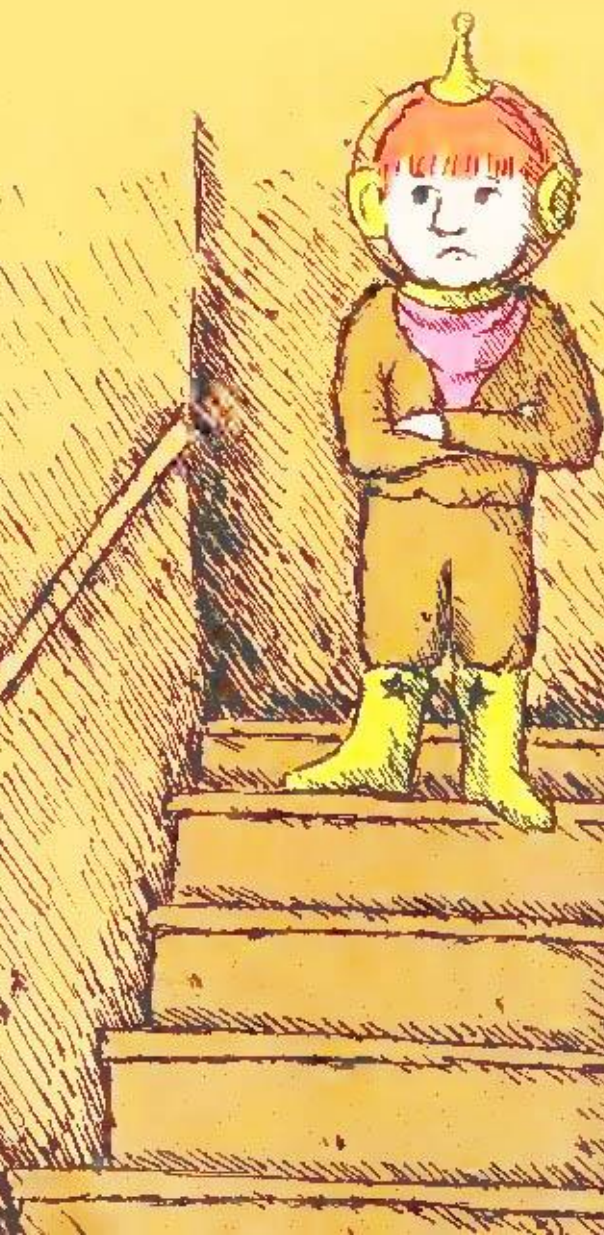
"ठीक तुम्हारे पीछे," आवाज ने कहा.

"यहाँ देखो."

जॉर्ज ने देखा पर उसे सिर्फ दो आँखें दिखाई दीं.

"आप कौन हैं?" उसने उन आँखों से पूछा.

"क्या आप कोई भूत-प्रेत हैं?"
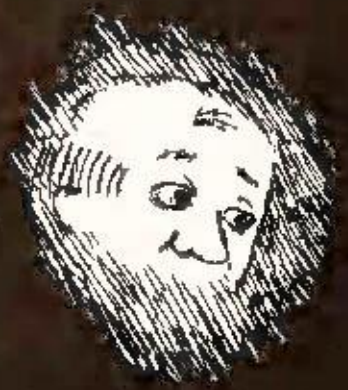
"हाँ," उन आँखों ने उत्तर दिया.

"लेकिन तुम मुझे फ्रेड बुला सकते हो.

और मैं अब भी यह जानना चाहता हूं

तुम्हारे सिर पर क्या है?"

"ओह, वो," जॉर्ज ने कहा.

"मैं तो उसके बारे में भूल ही गया था."

"वो मेरी हेल्मेट है जिसका उपयोग मैं

अंतरिक्ष यात्री बनते समय करता हूँ."

"कृपया उसे उतार दो?" फ्रेड ने कहा.

"उससे तुम्हारी आवाज़ बड़ी अजीब लग रही है."

फिर जॉर्ज ने अपनी हेल्मेट उतार दी.

"क्या अब बेहतर है?" जॉर्ज ने पूछा.

"कहीं बेहतर," फ्रेड ने उत्तर दिया.

"तुम्हारी आवाज़ बहुत अच्छी है."

"धन्यवाद," जॉर्ज ने कहा.

"मुझे पहले कभी किसी ने यह नहीं बताया था."
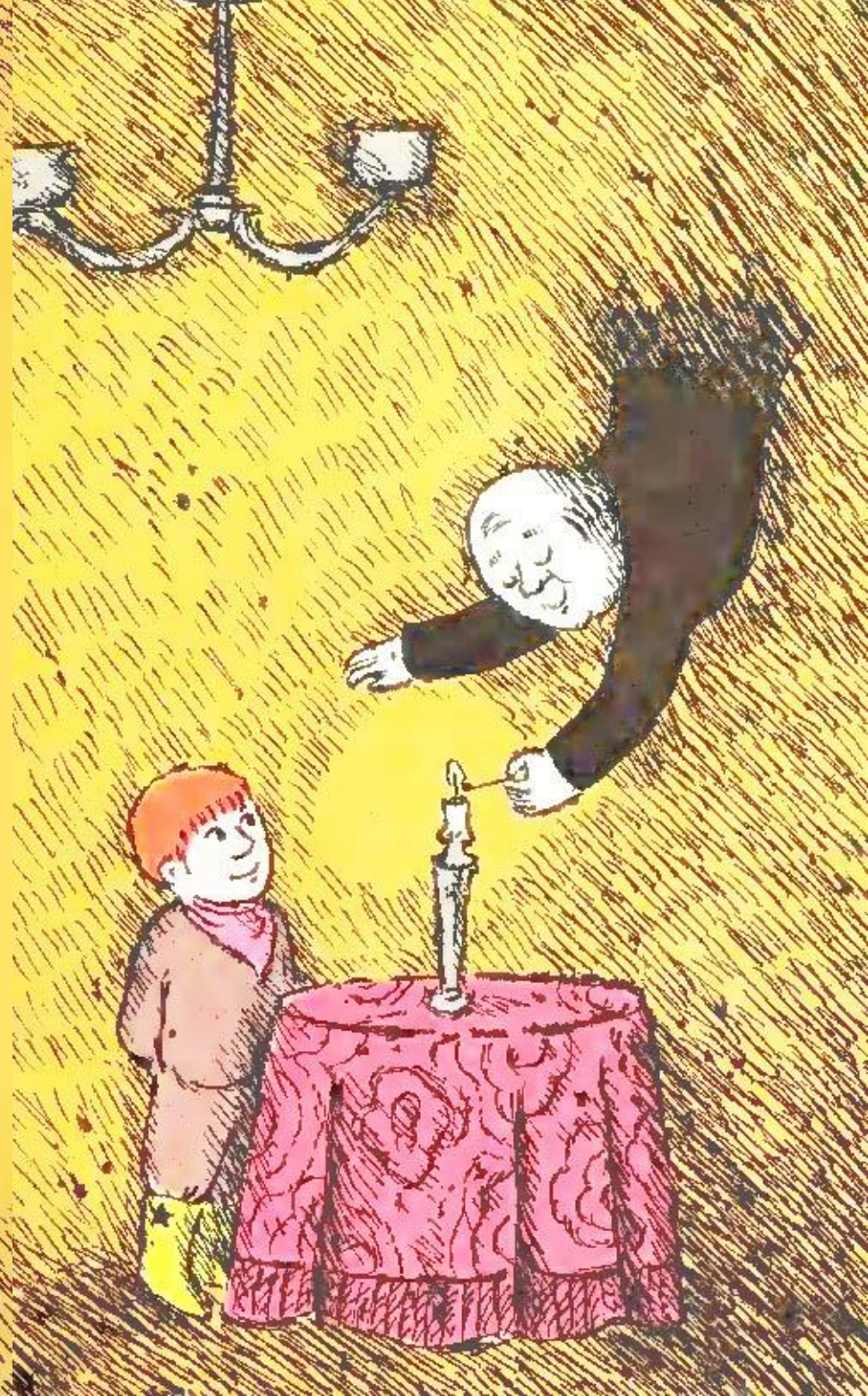
"तुम यहाँ क्यों आए हो?" फ्रेड ने पूछा.

"यह अकेले लड़के के आने के लिए
सही जगह नहीं है."

"मैं खो गया हूं," जॉर्ज ने कहा.

"आप अपने बारे में बताएं?
आप यहां क्यों आए हैं?"

"यह एक लंबी कहानी है," फ्रेड ने उत्तर दिया.

"लेकिन अगर मैं उसके बारे में संक्षेप में बताऊँ तो,

मैं यहां एक खजाने की रक्षा करने के लिए आया हूं."

"खज़ाना?" जॉर्ज चिल्लाया.
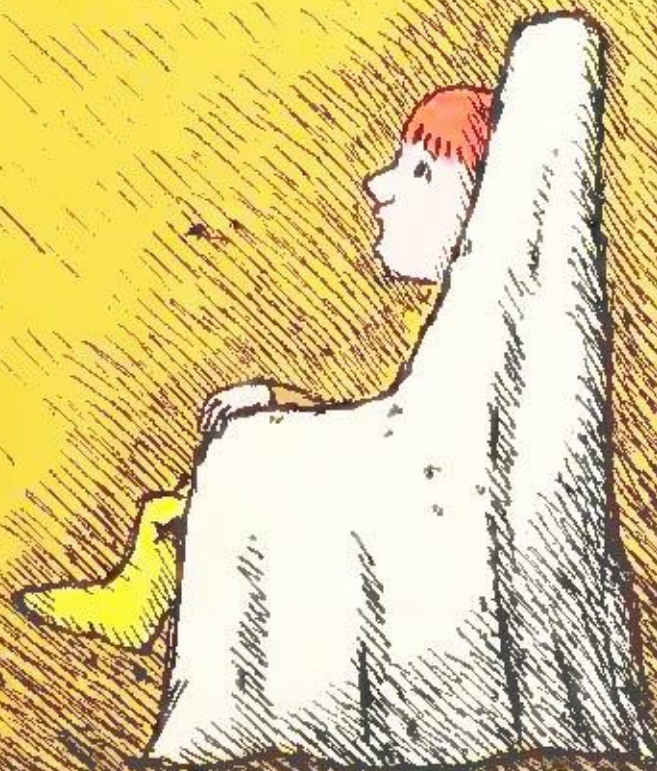
"वो कहाँ है?"

फ्रेड ने कहा, "अगर मैंने तुम्हें खजाने की जगह बता दी फिर मैं उसकी रक्षा कैसे करूंगा."

"अच्छा मैं तुम्हें जगह का अनुमान लगाने दूँगा."

"क्या वो अटारी में है?" जॉर्ज ने पूछा.

"नहीं."

"तहख़ाने में?"

"नहीं."

"रसोई में?"

"नहीं."

"बेडरूम में?"

"नहीं."

"फिर मैं हार मान लेता हूँ. फिर वो कहाँ है?"

फ्रेड ने हल्की सी खांसने की आवाज निकाली.
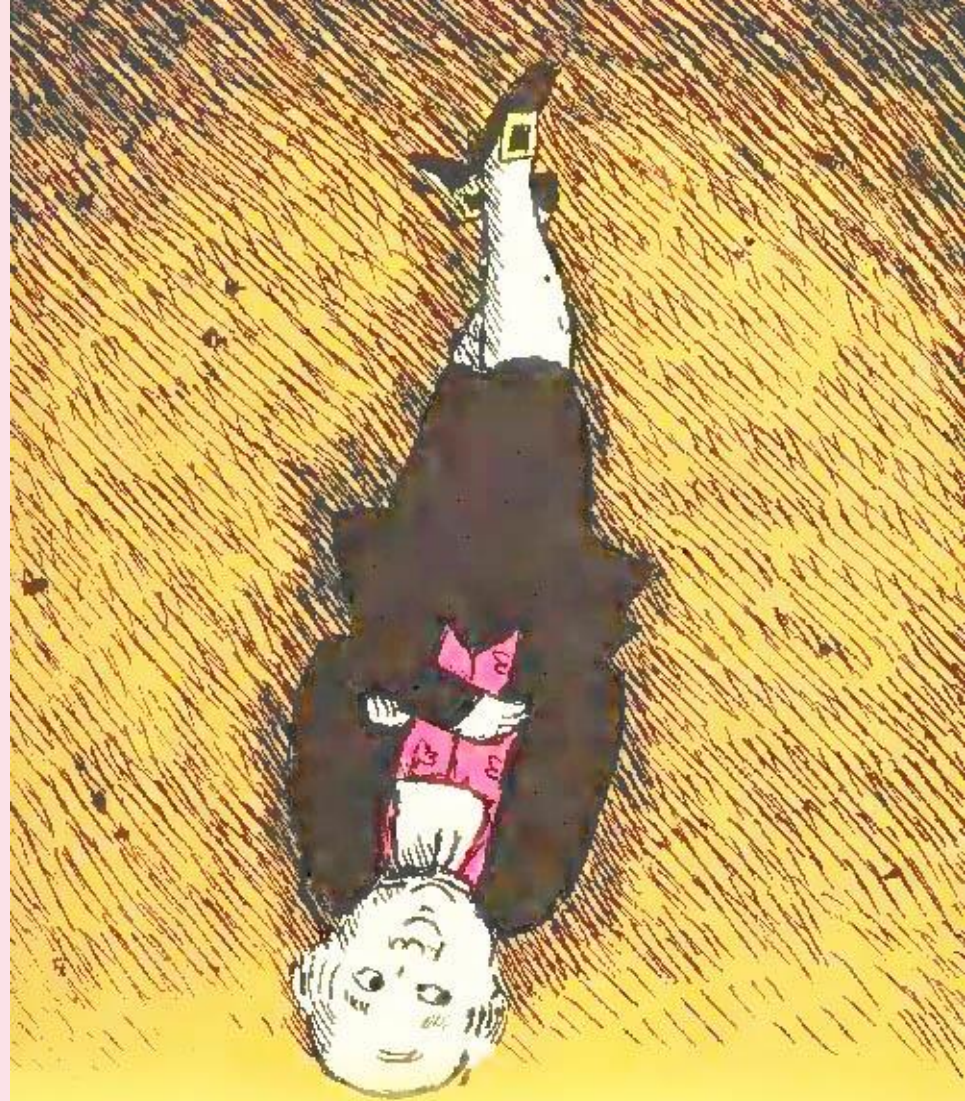
फ्रेड ने कहा, "सच कहूं तो मैं खुद भी वो जगह भूल गया हूं."

"मैं उम्मीद कर रहा था कि तुम मुझे उस जगह की याद दिलाओगे."

"तो फिर चलकर खोजते हैं," जॉर्ज ने कहा.

"आपको यकीन है कि ख़ज़ाना इसी घर में है?"

"हां, बिल्कुल," फ्रेड ने कहा.

"मैंने उस ख़ज़ाने को एक बार देखा था,

लेकिन वो बहुत पहले की बात है.

चलो नीचे देखने की कोशिश करते हैं."

वे नीचे गए और पेंट्री में उन्हें
तीन चूहे मिले.

"क्या तुमने ख़ज़ाना देखा है?"
जॉर्ज ने चूहों से पूछा.

"हमें खजाने में कोई दिलचस्पी नहीं है,"
चूहों ने उत्तर दिया.

"हम तो यहाँ पनीर ढूंढ रहे हैं."
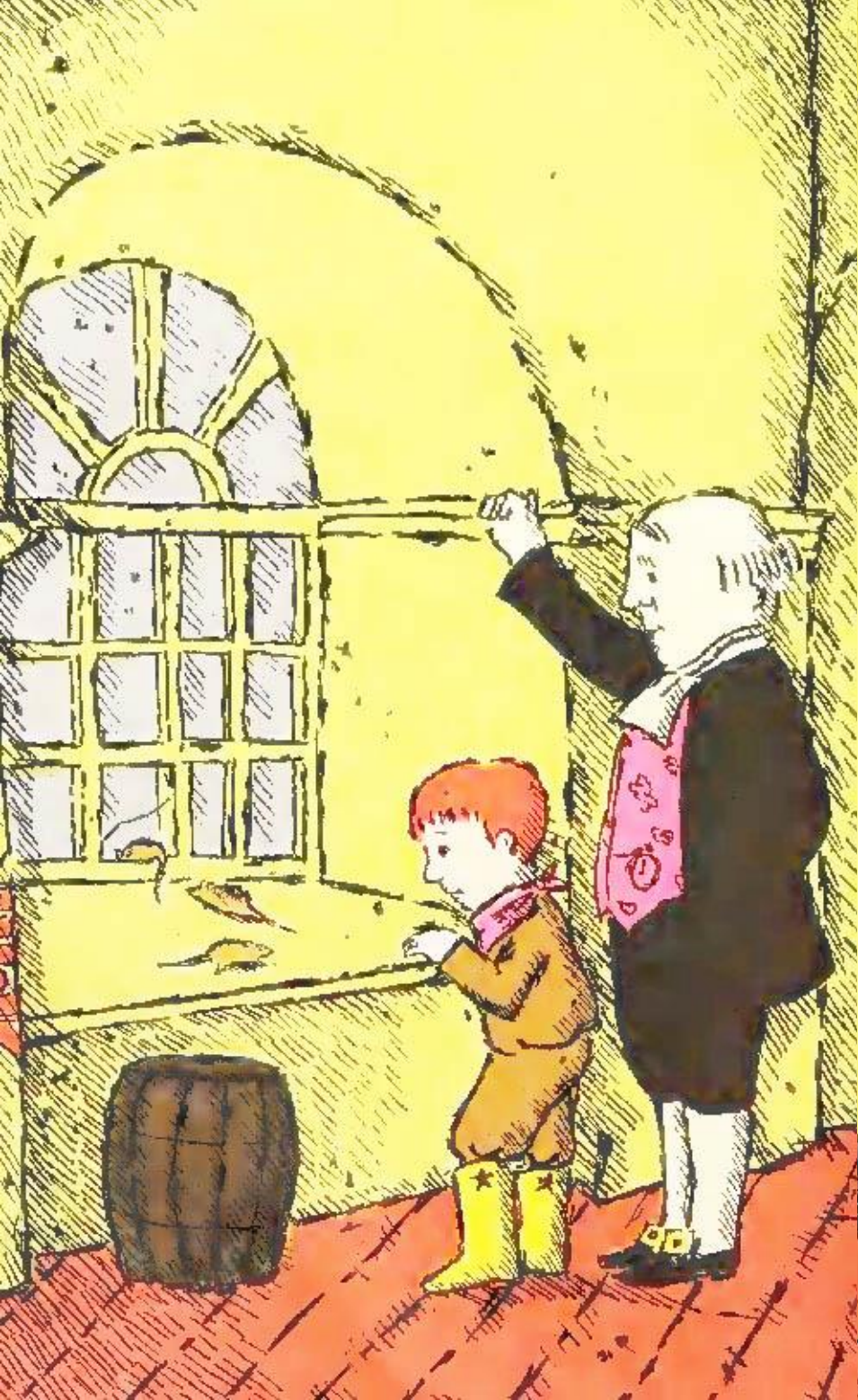
"फिर तुम गलत घर में आए हो,"
फ्रेड ने कहा.

"उस पार्टी के बाद से जो मेरी माँ ने
अपनी चाची के लिए दी थी

यहाँ तब से कोई पनीर नहीं बचा है."

"लगता है हमारी किस्मत ही खराब है,"
चूहों ने कहा.

और फिर वे चले गए.

पुस्तकालय में उन्हें

एक बूढ़ा चमगादड़ मिला

जो उल्टा लटका हुआ था.

"चार्ली," फ्रेड ने चमगादड़ से कहा,

"तुम यहां काफी समय से लटके हो.

क्या तुम्हें याद है कि खजाना कहाँ है?”

"मेरे पिता जानते थे," चार्ली ने कहा.

“लेकिन मेरे पिताजी कहीं चले गए हैं

अब वो क्रिसमस के बाद ही वापस लौटेंगे.

जब वो वापस आएंगे तब मैं उससे पूछ लूँगा."
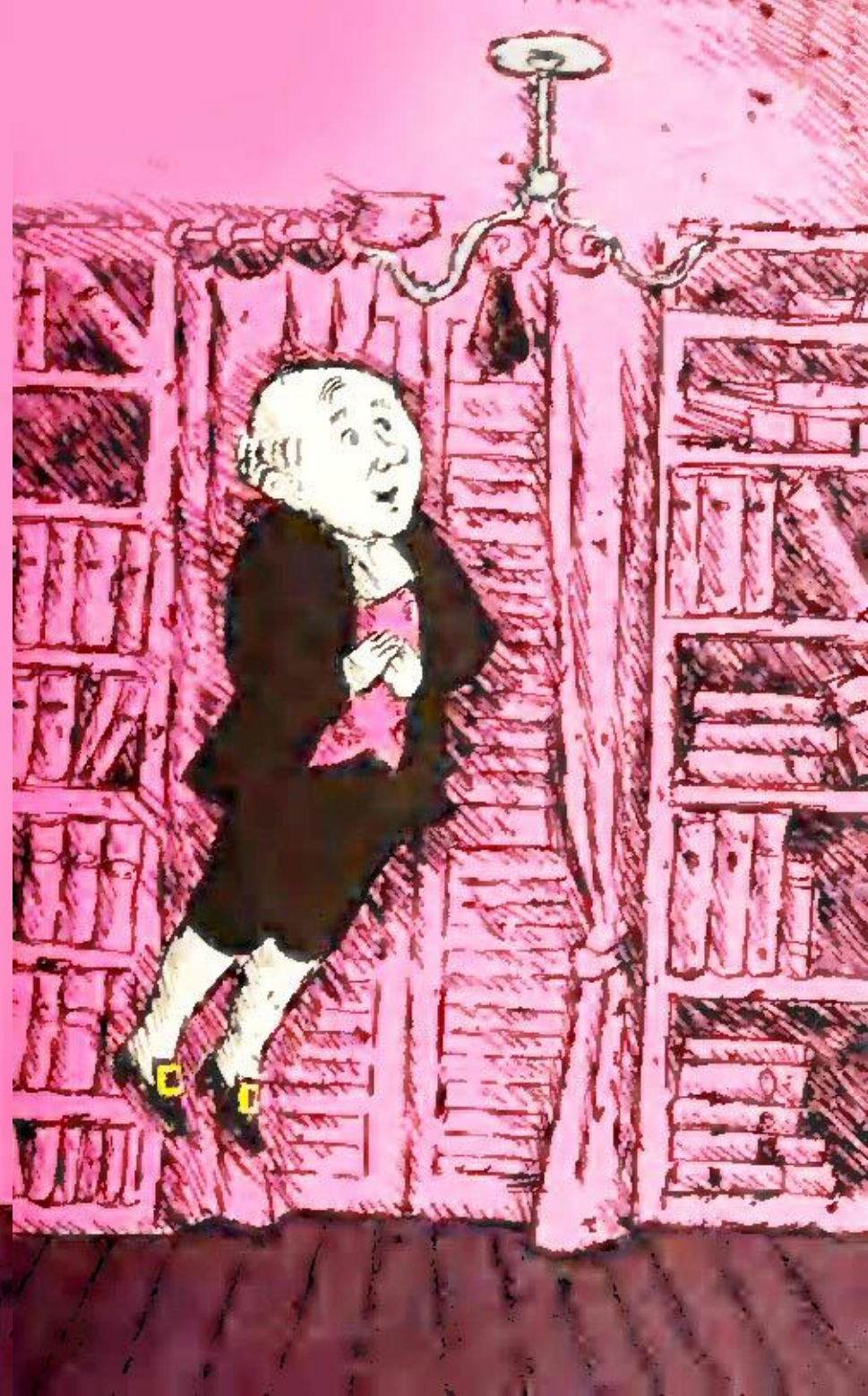
"हमें उससे कोई मदद नहीं मिलेगी,"
फ्रेड ने कहा.

"हम ख़ज़ाने को अभी ढूंढना चाहते हैं.

आओ तुम भी उसमें हमारी मदद
करो.”

"ठीक है," चार्ली ने कहा.

"अब समय आ गया है कि मैं यहाँ से उड़ूँ.

यदि मैं वहां अधिक समय तक लटका रहूंगा,

तो फिर मेरी नाक से खून निकलने लगेगा.”

फिर वे तीनों पूरे घर में घूमे

लेकिन उन्हें ख़ज़ाने का कोई
नामों-निशान नहीं मिला.

सामने हॉल में एक घड़ी लगी थी,

जिसे देखकर जॉर्ज ने कहा,
"ओह, मुझे काफी देर हो गई है!

अब मुझे जल्दी घर लौटना होगा."

फ्रेड ने कहा, "बेहतर होगा कि तुम एक छाता लेते जाओ."

"देखो छाता वहाँ उस कोठरी में है."

फिर जॉर्ज ने छाता लिया और उसे खोला.

और फिर उस छाते में से ख़ज़ाना गिर पड़ा!

"वो देखो!" फ्रेड चिल्लाया.

"तुम्हें खज़ाना मिल गया!"

जॉर्ज ने खजाना गिना,

फिर फ्रेड ने उसे एक सिक्का घर ले जाने दिया

एक स्मारिका, यानी यादगार के रूप में.

लेकिन काफी सोचने के बाद

जॉर्ज ने निर्णय लिया

कि वो उस सिक्के को किसी

को भी नहीं दिखाएगा.

फिर जॉर्ज ने उसे एक राज़ की तरह
अपनी जेब में ही रहने दिया.

अंत